पाठ 14. हाज़िरजवाब शेख जी

पाठ का परिचय

एक दिन सुलतान मुर्तज़ा और शेख जी शिकार खेलने जंगल में गए। सुलतान ने शेख जी से प्यासे घोड़ों को पानी दिखा लाने को कहा। शेख जी भी घोड़ों को झील का पानी दिखाकर ले आए। सुलतान ने शेख जी को समझाया कि अक्लमंद आदमी एक काम बताने पर दो करते हैं। एक बार सुलतान ने शेख जी को बीमार बेगम के लिए अच्छा-सा वैद्य लाने को कहा। उन्होंने हकीम के साथ-साथ कफ़न भी मँगवा लिया। सुलतान शेख जी के इस काम से स्तब्ध रह गए।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

हाज़िरजवाब होना।

पाठ का वाचन

अन्य पाठों की तरह ही इस कहानी को पढ़ें। बच्चों से अनुकरण वाचन करवाएँ। कहानी पर आधारित प्रश्न पूछें। शब्दों एवं मुहावरों के अर्थ भी बताते जाएँ। कठिन शब्दों के उच्चारण को बार-बार दोहराएँ। युद्ध-कौशल, बुद्धिमान, कमबख्त, अक्लमंद, गुस्ताखी।

महत्वपूर्ण चर्चा

- शेख जी की तरह क्या तुम भी आगे की सोचकर काम करना चाहोगे?
- अगर कोई तुम्हें सुबह जल्दी उठने का काम दे तो तुम उसके साथ क्या-क्या काम करोगे?
- कक्षा में कुछ ऐसी कल्पनाएँ करें और बताएँ किस काम के साथ तुम क्या-क्या करोगे तो हास्य का माहौल बन सकता है।